web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 23 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 116

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

सैफ अली हमला: मां के इलाज के लिए किसी अमीर व्यक्ति को लूटना चाहता था आरोपी शहजाद

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर अटैक मामले में जांच जैसे-जैसे गति पकड़ रही है, नए-नए खुलासे हो रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार सैफ पर हमले का आरोपी अपनी मां के इलाज के लिए किसी अमीर व्यक्ति को लूटना चाहता था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी बांग्लादेशी नागरिक है और अपनी मां के इलाज के लिए बांग्लादेश भागने के लिए किसी अमीर व्यक्ति को लूटना चाहता था। आरोपी पहले भी कई अपराध कर चुका है। वह पहले पश्चिमी मुंबई के अपमार्केट वर्ली इलाके स्थित रेस्तरां में काम करता था। बाद में वह ठाणे के एक रेस्तरां में चोरी करते पाया गया। इसके बाद उसे वहां से निकाल दिया गया था।

9 साल की बच्ची के पेट से निकले डेढ़ किलो बाल, डॉक्टरों ने बताई इसके पीछे की वजह

मुजफ्फरपुर (आरएनएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक दुर्लभ मामले में, श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) के डॉक्टरों ने एक 9 वर्षीय बच्ची के पेट से सफलतापूर्वक डेढ़ किलो बालों का गुच्छा निकाला। बच्ची पिछले सात सालों से बाल खाने की आदत से पीड़ित थी, जो कि ट्राइकोटिलोमेनिया नामक एक मनोरोग का लक्षण है। साहेबगंज की रहने वाली इस बच्ची को पेट में लगातार दर्द और भूख न लगने की शिकायत थी, जिसके बाद उसके परिवार वाले उसे एसकेएमसीएच के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में ले गए। जाँच के दौरान, एक्स-रे और सीटी स्कैन में बच्ची के पेट में बालों का एक बड़ा गुच्छा पाया गया। पेडियाट्रिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम ने बच्ची का ऑपरेशन किया और सफलतापूर्वक बालों के गुच्छे को निकाला। डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची पिछले 15 दिनों से खाना नहीं खा पा रही थी और हर बार उल्टी कर देती थी। डॉ. आशुतोष ने बताया कि बच्ची ट्राइकोटिलोमेनिया से पीड़ित है, एक ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति अनियंत्रित रूप से अपने बाल खाने लगता है। उन्होंने कहा, हमने बच्ची का ऑपरेशन कर पेट से डेढ़ किलो बाल निकाले। अब उसकी हालत स्थिर है और उसे मनोरोग विशेषज्ञ को भी दिखाया जाएगा। ऑपरेशन टीम में चाइल्ड सर्जन डॉ. नरेंद्र और एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. नरेंद्र सहित अन्य डॉक्टर शामिल थे। बच्ची के पिता एक मजदूर हैं और उनका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। डॉक्टरों ने ऑपरेशन से पहले बच्ची को खून भी चढ़ाया था। डॉक्टरों ने ऐसे मामलों में काउंसलिंग और मनोचिकित्सीय उपचार की आवश्यकता पर जोर दिया है। फिलहाल बच्ची को वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है और उसकी हालत में सुधार हो रहा है।

सरकार का बड़ा फैसला, अब पतंग उड़ाने पर लगेगा 50 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली (आरएनएस)। लाहौर के दारुल इफ्ता जामिया नइमिया की ओर से पुलिस विभाग से मशविरे के बाद इस संबंध में फतवा जारी किया गया है। फतवे के अनुसार अब पाकिस्तान में पतंग उड़ाना, बाइक को एक पहिये पर चलाने पर और हवाई फायरिंग को गैर-इस्लामी करार दिया गया है। वहीं, पतंग उड़ाने पर प्रतिबंध को लेकर पंजाब विधानसभा ने एक बिल भी पास किया है। फतवे में कुरान और हदीस की कई आयतों का हवाला देते हुए कहा कि ये तीनों चीजें करना अपराध हैं और इस्लाम के अनुसार भी ये हराम हैं। इन तीनों के पीछे फतवे में वजह भी बताई गई है और कहा गया कि इनके चलते इंसानी जिंदगी को खतरा पैदा हो रहा है। इस्लाम में ऐसे किसी भी काम को हराम माना गया है, जिससे इंसानी जिंदगी के लिए खतरा पैदा होता हो। इसलिए इन पर पाबंदी लगाई जाती है। लाहौर पुलिस की ओर से एक डेटा जारी किया गया था, जिसमें बताया गया कि बड़ी संख्या में देश में लोग पतंगों के मांझे, गलत तरीके से बाइक चलाने और हवाई फायरिंग में मारे जाते हैं। अकसर खुशी के मौके पर हवाई फायरिंग की जाती है। फतवे में कहा गया कि इन तीनों चीजों से ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे परिवार में मातम छा जाता है। इसलिए इन्हें गैर-इस्लामी और हराम घोषित किया जाता है। लाहौर पुलिस और इस्लामिक संस्था की ओर से जारी फतवे में चेतावनी दी गई है कि इन गतिविधियों को करने पर सजा दी जाएगी। कहा गया है कि इनसे इंसानी जान को खतरा पैदा होता है। इसलिए इनकी किसी को परमिशन नहीं दी जा सकती।

प्रयागराज महाकुंभ में सिलेंडर ब्लास्ट की घटना का आतंकवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रयागराज महाकुंभ मेले के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। खबर यह है कि इस घटना की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली है। संगठन ने इसे लेकर कुछ मीडिया संस्थानों को ई-मेल भेजी है, जिसमें कहा गया है कि यह पीलीभीत फेक एनकाउंटर का बदला है। यह ब्लास्ट CM योगी को केवल अलर्ट है। यह शुरुआत है। हालांकि इस ईमेल की सत्यता की पुष्टि कोई नहीं करता।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रयागराज के महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 19 में श्रीकरपात्र धाम वाराणसी और गीता प्रेस गोरखपुर के शिविर में आग लगने से फूस और बांस के बने 280 कॉटेज जलकर राख हो गए थे। इन कॉटेजों में रखे 13 एलपीजी सिलिंडर भी आग की चपेट में आकर फट गए और अफरातफरी मच गई थी। इस दौरान पांच बाइकें और पांच लाख रुपये की नकदी भी जल गई थी। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में बीते साल 23 दिसंबर को पुलिस ने 3 खालिस्तानी आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया था। पीलीभीत पुलिस और पंजाब पुलिस ने ये जॉइंट ऑपरेशन किया था। सभी आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के सदस्य थे।

योगी कैबिनेट : पुलिस महानिदेशक पहुंचे कुंभ, सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण, लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री और मंत्रियों के स्नान से पहले घाटों पर सुरक्षा-व्यवस्था देखी। बुधवार को महाकुंभ में योगी कैबिनेट की बैठक है। इसके बाद मुख्यमंत्री और सभी मंत्री अरैल घाट से मोटर बोट के जरिए संगम स्नान के लिए जाएंगे।

इस दौरान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने यहां की सुरक्षा व्यवस्था के निरीक्षण के साथ आस्था की डुबकी लगाई है। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज योगी सरकार की कैबिनेट बैठक कुंभ क्षेत्र में होगी। इसके बाद सभी मंत्री और मुख्यमंत्री यहां स्नान करेंगे। सुरक्षा की व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है। आने वाली मौनी अमावस्या के दौरान सबसे ज्यादा भीड़ आने की संभावना है। उसे लेकर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मकर संक्रांति के दौरान जो छोटी-मोटी कमियां रह गई हैं, उन्हें ठीक किया जाएगा। इस बारे में अधिकारियों से बातचीत की गई है। उस दौरान शहर में भी बेहतर यातायात की व्यवस्था की जाएगी। यह निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि यहां पूरे विश्व के लोग स्नान कर रहे हैं। मैंने भी संगम स्नान किया। बहुत अच्छा लगा। यह व्यक्ति की आस्था का विषय है। जो इस पर विश्वास करता है, वह यहां स्नान करता है। हमारे साथ कुछ विदेशी पर्यटकों ने भी स्नान किया है और यहां की व्यवस्था के बारे में काफी संतोष जाहिर किया है। उन्होंने आगे कहा कि साफ-सफाई और अन्य व्यवस्था अधिकारी और कर्मचारी कर रहे हैं। इस बार के महाकुंभ में पूरा विश्वास है कि रिकॉर्डतोड़ श्रद्धालु आएंगे। जिस प्रकार से हमने 45 से 50 करोड़ लोगों के आने की व्यवस्था की है, उतने लोग 45 दिन के अंदर आ जाएंगे।

यूपी के डीजीपी ने कहा कि ऐसा स्वाभाविक है कि इन दिनों यहां काफी भीड़ होगी। संख्या ज्यादा होने के कारण ट्रैफिक रुकता नहीं है। स्लो चलता रहता है। उसे बेहतर करने के लिए अतिरिक्त मैनपावर लगाई गई है। मैंने भी यहां आस्था की डुबकी लगाई है। यह अच्छा और सुखद अनुभव है। यहां पर मंत्रीगण भी मौजूद हैं। समाज के सभी वर्ग के लोग इसका लगातार लाभ ले रहे हैं।

ज्ञात हो कि प्रयागराज महाकुंभ में बुधवार को योगी कैबिनेट की बैठक होगी। सीएम योगी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में प्रदेश को सौगात देने वाली कई योजनाओं और प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद पूरे मंत्रिमंडल के साथ सीएम योगी त्रिवेणी संगम की पावन धारा में आस्था की डुबकी लगाएंगे।

फलों से लदा ट्रक खाई में गिरने से 8 लोगों की दर्दनाक मौत, 10 गंभीर रूप से घायल

येल्लापु । आरएनएस

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 63 पर आज सुबह एक दर्दनाक सडक़ हादसा हुआ। सावनूर से कुमटा बाजार जा रहा सब्जियों और फलों से लदा एक ट्रक येल्लापुर के पास अरेबैल और गुल्लापुरा के बीच खाई में गिर गया, जिससे 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 5:30 बजे हुआ जब ट्रक चालक ने किसी अन्य वाहन को रास्ता देने के प्रयास में अपना नियंत्रण खो दिया। परिणामस्वरूप, ट्रक सडक़ के बाईं ओर चला गया और लगभग 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। ट्रक में 30 से अधिक लोग सवार थे, जिनमें ज्यादातर सब्जी विक्रेता थे जो अपनी उपज बेचने के लिए बाजार जा रहे थे।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहाँ कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। करवार के पुलिस अधीक्षक नारायण एम के अनुसार, मृतकों की संख्या पहले 8 बताई जा रही है।

अधिकारी हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं, जिसमें ट्रक की स्थिति और सडक़ के बुनियादी ढांचे का भी निरीक्षण शामिल है। इस दुखद घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है।

महाराष्ट्र के जलगांव में बड़ा ट्रेन हादसा : पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह से यात्री ट्रेन से कूदे, 8-10 लोगों की मौत की खबर, 40 से ज्यादा घायल

जलगांव । आरएनएस

महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार शाम एक दिल दहला देने वाला ट्रेन हादसा हुआ। यहां परधाड़े रेलवे स्टेशन पर पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैल गई, जिससे घबराए हुए यात्री बिना सोचे-समझे ट्रेन से कूद गए। इस दौरान दूसरे ट्रैक पर तेज रफ्तार से आ रही कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ने कई यात्रियों को कुचल दिया। इस हादसे में 8-10 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 40 लोग घायल हैं।

सेंट्रल रेलवे के भुसावल डिवीजन के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि घटना जिस स्थान पर हुई, वहां शार्प टर्न था, जिससे यात्रियों को दूसरे ट्रैक पर आ रही ट्रेन का अंदाजा नहीं हो पाया। तेज गति से आ रही कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की चपेट में आकर इतनी बड़ी संख्या में लोग हादसे का शिकार हो गए। घटना स्थल मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित है।

सीपीआरओ स्वप्निल निला ने पुष्टि की कि भुसावल से मेडिकल रिलीफ ट्रेन रवाना कर दी गई है, लेकिन फिलहाल किसी यात्री की मौत की सूचना नहीं मिली है।

वहीं, जानकारी के मुताबिक पुष्पक एक्सप्रेस (गाड़ी नंबर 12533) लखनऊ से मुंबई जा रही थी, जबकि कर्नाटक संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (गाड़ी नंबर 12629) यशवंतपुर से हजरत निजामुद्दीन की ओर जा रही थी। पुष्पक एक्सप्रेस में ब्रेक लगाने पर पहियों से धुआं निकला था, जिस कारण आग लगने की अफवाह फैल गई और यात्री घबराकर ट्रेन से कूद पड़े।

श्रीलंका ने 41 भारतीय मछुआरों को किया रिहा, स्वदेश लौटे

चेन्नई । आरएनएस

श्रीलंका ने 41 भारतीय मछुआरे को किया रिहा कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि तमिलनाडु के 41 मछुआरे चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका की नौसेना ने इन मछुआरों को 8 सितंबर, 2024 को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा रिहा किए जाने के बाद मछुआरे मंगलवार देर रात चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचे। तमिलनाडु तटीय पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 41 मछुआरों में से 35 रामनाथपुरम के निवासी हैं, जबकि अन्य नागपट्टिनम और पुदुकोट्टई जिलों के रहने वाले हैं। स्वदेश लौटने पर मछुआरों को नागरिकता सत्यापन, सीमा शुल्क जांच और अन्य औपचारिकताओं से गुजरना पड़ा।

तमिलनाडु मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने मछुआरों का स्वागत किया और अलग-अलग वाहनों में उनके गृहनगरों तक परिवहन की व्यवस्था की। इससे पहले श्रीलंका ने तमिलनाडु के 15 मछुआरों के एक समूह को रिहा किया था, जो 16 जनवरी को चेन्नई पहुंचे थे।

भारतीय मछुआरों की बार-बार गिरफ्तारी एक बड़ा मुद्दा बन गया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत यात्रा पर आए श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके के साथ चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाया था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी केंद्र सरकार से लगातार गिरफ्तारियों पर रोक लगाने और राज्य के मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु के मछुआरा संघों ने तटीय जिलों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए और निर्णायक कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर उनसे बीच समुद्र में होने वाली गिरफ्तारियों और मछली पकडऩे वाली

मशीनीकृत नावों की जब्ती पर रोक लगाने का आग्रह किया था, जो उनकी आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास ने भी आगे की हिरासतों को रोकने के लिए भारत सरकार से कड़े हस्तक्षेप की मांग की थी।

वर्तमान में, तमिलनाडु के 504 भारतीय मछुआरे कथित तौर पर 48 मशीनीकृत मछली पकडऩे वाली नौकाओं के साथ श्रीलंका की हिरासत में हैं।

खौलते तेल में गिरने से 2 साल के मासूम की दर्दनाक मौत, पिता की आंखों के सामने हुआ हादसा

भोपाल । आरएनएस

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां सगाई समारोह में खेलते-खेलते दो साल का मासूम बच्चा गर्म तेल की कढ़ाई में गिर गया। बुरी तरह झुलसे बच्चे की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

यह घटना निशातपुरा थाना क्षेत्र की है, जहां सगाई समारोह चल रहा था। तभी दो साल का मासूम अक्षांश साहू खेलते-खेलते गर्म तेल वाली कढ़ाई के करीब पहुंच गया। वहां मौजूद कोई व्यक्ति कुछ समझ पाता, इससे पहले बच्चा इस खौलते तेल की कढ़ाई में जा गिरा।

इस घटनाक्रम को अक्षांश के पिता ने देखा, जो कुछ ही दूरी पर खड़े थे। वह उस तरफ दौड़े चले आए और आनन-फानन में बच्चे को गर्म तेल की कढ़ाई से निकाला और उसे तुरंत निजी अस्पताल ले गए। बताया गया है कि बच्चा बुरी तरह झुलस गया था और उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। तमाम कोशिशों के बावजूद बच्चे को बचाया नहीं जा सका और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिजनों के अनुसार अक्षांश के चाचा की सगाई थी और सभी लोग इस उत्सव वाले कार्यक्रम में लगे हुए थे। तभी अचानक यह हादसा हो गया। मासूम अक्षांश की मौत के चलते उत्सव वाले घर का माहौल गमगीन हो गया। सगाई समारोह में मौजूद कोई भी व्यक्ति यह नहीं समझ पा रहा है कि आखिर बच्चा गर्म तेल की कढ़ाई में अचानक कैसे गिर गया।

बच्चे की तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया और इस पूरे घटनाक्रम को बड़ी लापरवाही के तौर पर देखा जा रहा है। मासूम की मौत से परिजन ही नहीं, तमाम जानने वाले भी दुखी हैं और अभिभावकों को ढांढस बंधाने में लगे हैं। बच्चे की मौत से उसके माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

श्रीरामलला के मंदिर में उमड़ा जनसैलाब, जयकारों से गूंजी अयोध्या

अयोध्या । आरएनएस

रामनगरी में बुधवार को फिर से श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। सुबह कोहरा और बेतहाशा ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किए। हर तरफ जय श्रीराम के जयकारे लगते रहे। मानो एक बार फिर से त्रेता युग लौट आया हो। श्री रामचंद्र के दर्शन के लिए श्रद्धालु देर शाम तक जन्मभूमि पथ पर कतारबद्ध दिखे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

भव्य मंदिर में 22 जनवरी 2024 में ही रामलला विराजमान हुए थे। अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक बुधवार को राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर श्रद्धालुओं का सैलाबा नजर आया।

इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 11 जनवरी को ही पहली वर्षगांठ मना चुका है। तीन दिन आयोजन भी हुए। उस दौरान भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए थे।

अब जब बारी आई 22 जनवरी की तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा निवेदित करने पहुंच गए। प्रदेश की योगी सरकार ने दर्शनार्थियों के लिए स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन मुस्तैदी के साथ जुटा दिखा।

राम मंदिर की पहली वर्षगांठ को देखते हुए मठ मंदिरों में भी धूम है। हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए एक किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है। इसके अलावा दशरथ महल-कनक भवन समेत अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। मणिरामदास छावनी में सुबह रथयात्रा निकालने के बाद 41 दिवसीय अनुष्ठान का आगाज हो गया। इसमें सवा लाख से भी अधिक श्रीराम रक्षास्रोत का जाप होगा।

बड़ी संख्या में अपने आराध्य का दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं में से अनेक ऐसे भी हैं जो बीती 22 जनवरी को अयोध्या में थे। उसी पल को जीने के लिए वे फिर रामनगरी में हैं।

ट्रस्ट को भीड़ के आने का अनुमान था, इसलिए व्यवस्थाएं भी उसी अनुसार की गई थी। राम मंदिर के आसपास का सारा क्षेत्र ब्रह्म मुहूर्त से ही जयकारों से गूंजने लगा था। होटल और धर्मशालाएं पहले से ही लोग आरक्षित कराए हुए थे।

रामलला के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने बताया कि हिंदी कैलेंडर के मुताबिक 11 जनवरी को द्वादशी मनाई गई थी, लेकिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक दर्शन करने पहुंचे हैं। सुबह से ही भीड़ दिखी।

एसएसपी राजकरण नैयर ने बताया कि सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अयोध्या को 6 जोन और 17 सेक्टर में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। जोन में राजपत्रित अधिकारियों और सेक्टर में सीओ लेवल के अधिकारी की तैनाती की गई है।

राजस्थान की विजयलक्ष्मी ने बताया कि उधर बालाजी और यहां रामलला की ही कृपा रही कि अच्छे से दर्शन मिल गया। उन्होंने बताया कि उनके साथ 17 लोगों का ग्रुप आया था। सभी ने हनुमान चालीसा पढ़ते हुए राम मंदिर में प्रवेश किए। 500 वर्षों बाद अयोध्या में रौनक लौटी है। सभी को दर्शन के लिए पहुंचना चाहिए।